



२२ मिय ३ सपदि चारा १५। जाही आवेदनकी  
 शीर्ष पूर्णिमा की ओर से अग्निशायन मुकुटा  
 पुनारीवाल के हवा पेश किया जो वाद तस्यै  
 शाहील मिसल किया गया। वहील जगीया के  
 के निकट पर आवेदन पत्र आगत आदेश  
 २२ मिय ३ सपदि चारा १५। जाही पर  
 हुना गया। आवेदन पत्र स्वीकार किया जाता  
 है जाही शीर्ष पयमा देवी के स्थान पर शीर्ष  
 पूर्णिमा को वाद पत्रावली पर बेकाड पर किया  
 गया। संशोचित वीथिक पेश किया जो वापिस  
 मिसल किया गया।

वाहीया शीर्ष पूर्णिमा मंथ अग्निशायन के  
 अथ आप आवेदन पत्र वास्तु वाद विज्ञा नोट  
 पेश हेतु उस्तुत कर निकट किया कि उक्त  
 वाद पत्र आगे समान ही आवेदनकी वही  
 रदी है वाद निरस्त किया जावे। आवेदन पत्र  
 स्वीकार किया जाता है। वाद पत्र विज्ञा  
 निरस्त किया जाता है। पुत्रवती कुलक  
 शुभकर देकर नम्बर से रूत य।

२०६३/२  
 उपखण्ड अधिकारी  
 पुष्कर (अजमेर)